



Sports Special

NOSEGAY PUBLIC SCHOOL

| Year : 09

| No : 02

| September 2025

| For Free Distribution

| Monthly



सीबीएसई नेशनल हैंडबॉल चैम्पियन विजेता टीम (अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग)

सीबीएसई हैंडबॉल में नोज़गे नेशनल चैम्पियन

अंडर 14 व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग में हासिल की राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप

श्रीगंगानगर। कहते हैं कि हर कहानी का अंदाज सपनों से और समापन हकीकत से होता है। ठीक उसी तरह केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की राष्ट्रीय स्पर्धा में नोज़गे के विद्यार्थी जीत के सपने के साथ उत्साह में उतरे और समापन तक इसे हकीकत में बदल दिया। इस प्रतियोगिता के तहत अंडर 14 व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप हासिल करके न केवल श्रीगंगानगर का गौरव बढ़ाया, बल्कि हैंडबॉल खेल में पूरे राजस्थान की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर दी।



सीबीएसई नेशनल हैंडबॉल चैम्पियन विजेता टीम (अंडर 14 वर्ष आयु वर्ग)

इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर की अंडर 14 वर्ष आयु वर्ग व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग में

टीमों ने जीत हासिल की। नोज़गे इनडोर स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबलों में अंडर 14 वर्ष आयु वर्ग में नोज़गे स्कूल की टीम ने स्वामी केशवानंद स्कूल की टीम को 19-11 से हराया। इसी तरह नोज़गे की अंडर 19 टीम ने सिसोमू स्कूल, श्रीदुंगरगढ़ की टीम को 30-18 अंकों से मात देते हुए चैम्पियनशिप पर कब्जा जमाया। वहीं अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में मुस्कान पब्लिक स्कूल, अशोकनगर की टीम ने फाइनल मुकाबले में शांति ज्ञान निकेतन, झज्जर की टीम को 19-10 से हराया।

शुरुआत : स्वागत और उत्साह से



नोज़गे पब्लिक स्कूल में प्रतियोगिता की शुरुआत बाहर से आई विभिन्न टीमों के शानदार स्वागत से हुई। देशभर के विभिन्न राज्यों से आई लगभग 33 टीमों के साथ-साथ विदेश से आई 10 टीमों का जोरदार स्वागत किया गया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। मंच पर मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईजी श्री सुभाष

कुमार, सीबीएसई ऑब्जर्वर श्री चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदी, नोज़गे स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ. पीएस सूदन सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके पश्चात सामूहिक रूप से फ्लैग होस्टिंग की गई और पूरा मैदान में एकता और अखण्डता की भावना से ओतप्रोत हो उठा। विद्यालय की छात्राओं

ने मनमोहक शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इसके बाद टीमों का मार्च पास्ट हुआ। सभी खिलाड़ियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ मार्च पास्ट करते हुए दर्शकों का अभिवादन किया। इसी बीच विधिवत तरीके से मशाल भी प्रज्वलित की गई। इसके उपरांत खिलाड़ियों को खेल की शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्हें खेल भावना, अनुशासन और ईमानदारी के साथ खेलने का संकल्प दिलावाया गया।

खेल मुकाबलों की शुरुआत वाराणसी पब्लिक स्कूल, वाराणसी और सिसोमू स्कूल, झुंजरगढ़ के बीच हुए मैच से हुई। कड़े मुकाबले के बाद झुंजरगढ़ की टीम विजेता रही और उन्होंने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। दूसरा मैच मेजबान नोज़गे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर और एसआरवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तमिलनाडु के बीच खेला गया। रोमांचक माहौल और दर्शकों के जोश के बीच नोज़गे की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इन मुकाबलों से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा और आगे के मैचों के लिए माहौल और भी ऊर्जावान हो गया।

समापन : जीत और जश्न से



प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बड़ा रोचक रहा। फाइनल मुकाबलों के दौरान स्कूल के अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले इन्डोर स्टेडियम में जैसे ही डिजिटल बोर्ड पर नोज़गे की जीत प्रदर्शित हुई तो वहां उपस्थित दर्शकों की तालियों की गड़गड़ाहट से स्टेडियम गुंज उठा। अंडर 14 व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप हासिल करने के साथ ही नोज़गे के खिलाड़ियों को वहां उपस्थित विद्यार्थियों ने उठा लिया एवं जमकर नाचे व जश्न मनाया। स्कूल स्टाफ ने एक दूसरे को बधाई दी। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह नोज़गे पब्लिक स्कूल के विशाल ऑडिटोरियम में हुआ। इस

कार्यक्रम में विजेता टीमों एवं खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। सीबीएसई नेशनल हैंडबॉल चैम्पियनशिप के समापन समारोह की मुख्य अतिथि श्रीगंगानगर की पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने मंच पर उपस्थित अतिथियों व अधिकारियों तथा ऑडिटोरियम में उपस्थित अभिभावकों व दर्शकों का

अभिनंदन करते हुए कहा कि खेलों का जीवन में विशेष महत्व है। यह हमें स्वयं को अनुशासित रखना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि खेल हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं। एसपी ने देशभर व विदेशों से आई टीमों व उनके कोच को बधाई देते हुए सही रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि खेल को खेल की भावना से खेले हार-जीत की भावना से नहीं। सीबीएसई ऑब्जर्वर श्री चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदी ने सीबीएसई के मापदण्डों के अनुसार खेल प्रतियोगिता सम्पन्न करवाने पर सभी कोच, आयोजक व स्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि आप सभी विजेता हैं। उन्होंने मेहनत व लगन से आगे बढ़ने तथा देश विदेश में अपने जिले व अभिभावकों का नाम रोशन करने हेतु खिलाड़ियों को प्रेरित किया। नोज़गे स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ. पीएस सूदन ने कहा कि खेलों से सामंजस्य की भावना का विकास होता है। उन्होंने देश तथा विदेशों से पहुंचे खिलाड़ियों का स्वागत किया। डॉ. सूदन ने कहा कि इस प्रतियोगिता से सभी को एक दूसरे क्षेत्र की संस्कृति, भाषाएं व खिलाड़ियों को जानने व समझने का अवसर मिला। प्राचार्य निम्फिया सूदन रेड्डी ने अतिथियों व खिलाड़ियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सभी खिलाड़ी ईमानदारी एवं खेल की भावना से खेलें। इस मौके पर अंडर 14 आयु वर्ग, अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहने वाली टीमों को मेडल, ट्रॉफी व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।





संपादकीय

रंग लाई मेहनत

खेल का मैदान केवल प्रतिस्पर्धा का स्थल नहीं होता, बल्कि यह अनुशासन, सामंजस्य और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा स्थान होता है। श्रीगंगानगर के नोजगे पब्लिक स्कूल में आयोजित सीबीएसई नेशनल हैंडबॉल प्रतियोगिता ने इस सत्य को एक बार फिर साकार कर दिया। जब नोजगे की अंडर 14 और अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग की टीमों ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप अपने नाम की, तो यह सिर्फ दो ट्रॉफियां जीतने भर की कहानी नहीं थी, बल्कि राजस्थान की धरती पर खेलों का गौरव गढ़ने का क्षण था। यह उपलब्धि उस मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास की पहचान है, जो इन विद्यार्थियों ने अपने कोच और मार्गदर्शकों के सान्निध्य में हासिल की। हर पास, हर गोल और हर बचाव में वर्षों का अभ्यास व खेल प्रतिभाओं का विकास की झलक थी। नोजगे का यह प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि यदि खिलाड़ियों को उचित अवसर, प्रशिक्षण और मंच मिले तो छोटे शहरों और कस्बों से भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के सितारे जन्म ले सकते हैं।

इस प्रतियोगिता की एक विशेषता रही विदेशी टीमों की भागीदारी। कतर, ओमान और दोहा सहित दस अंतरराष्ट्रीय टीमों की मौजूदगी ने इस आयोजन को और भव्य बना दिया। हमारे खिलाड़ियों ने न केवल खेल की तकनीक सीखी बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को समझने और अपनाने का अवसर भी पाया। यही खेलों की असली शक्ति है—सीमाओं से परे जाकर भाईचारे और सामंजस्य का वातावरण रचना। इस आयोजन में अनुशासन और पारदर्शिता के मानकों ने भी सभी को प्रभावित किया। उद्घाटन से लेकर समापन तक खेल भावना ही सबसे बड़ी ध्वजवाहक रही। खिलाड़ियों ने जीत की खुशी और हार की कसक दोनों को परिपक्वता से लिया। यही शिक्षा उन्हें आगे के जीवन में भी नेतृत्व, धैर्य और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

नोजगे पब्लिक स्कूल का यह आयोजन राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए गर्व की बात है। उत्कृष्ट अतिथि, अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और पूरे स्टाफ की क्षमता ने यह सिद्ध कर दिया कि छोटे शहर भी बड़े आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न करा सकते हैं। विजेता खिलाड़ियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास की चमक बताती है कि यह यात्रा अभी लंबी है।

आज जब देश 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों के माध्यम से खेलों को नई दिशा दे रहा है, तब नोजगे पब्लिक स्कूल की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देती है। क्योंकि नोजगे भी खेलो इंडिया परिवार का हिस्सा है। यह केवल श्रीगंगानगर या राजस्थान की जीत नहीं, बल्कि भारत के खेल भविष्य की आशा है। हमें विश्वास है कि नोजगे के ये खिलाड़ी राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को अनुशासित और लक्ष्य की ओर केंद्रित करने की कला है। नोजगे के इन विजेताओं ने यह सिखाया है कि सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है—यदि मन में जुनून और कर्म में निष्ठा हो।

- सम्पादक

सेमीफाइनल में कर्नाटक व हरिद्वार को दी थी करारी शिकस्त

नोजगे पब्लिक स्कूल में चल रही केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के तहत सेमीफाइनल में रोचक मुकाबले हुए। इसमें मेजबान नोजगे स्कूल की टीमों ने कर्नाटक व हरिद्वार की टीमों को करारी शिकस्त दी। नोजगे इनडोर स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल मुकाबलों में अंडर 14 वर्ष आयु वर्ग में नोजगे स्कूल की टीम ने विवेक स्कूल ऑफ एक्सीलेंस कर्नाटक की टीम व नोजगे की अंडर 19 टीम ने आचार्यकुलम हरिद्वार की टीम को हराया। इस प्रतियोगिता के लिए स्कूल परिसर में बनाए गए नियंत्रण कक्ष के अनुसार बुधवार को छह सेमीफाइनल मुकाबले हुए। इन मुकाबलों में अंडर 14 के तहत नोजगे पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर व विवेक स्कूल ऑफ एक्सीलेंस कर्नाटक के बीच रोचक मुकाबला हुआ। इसमें नोजगे की टीम विजेता रही। इसी वर्ग में दूसरा मुकाबला स्वामी केशवानन्द कॉन्वेंट के बीच हुआ। इसमें नोजगे की टीम विजेता रही। इसी वर्ग में दूसरा मुकाबला स्वामी केशवानन्द कॉन्वेंट



स्कूल व डॉल्फिन एलाइट सीबीएसई स्कूल तमिलनाडू के बीच हुआ। इसमें स्वामी केशवानन्द कॉन्वेंट स्कूल की टीम विजेता रही। अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग में डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल मोदीनगर एवं मुस्कान पब्लिक स्कूल अशोक नगर के बीच हुए सेमीफाइनल मुकाबले में मुस्कान पब्लिक स्कूल की टीम विजेता रही। इसी आयु वर्ग में दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला शांति ज्ञान निकेतन झज्जर एवं राजाजी विद्यालय ट्राइसी तमिलनाडू के बीच हुआ। इसमें झज्जर की टीम विजेता

रही। अंडर 19 आयु वर्ग में सेमीफाइनल का पहला मुकाबला सिसोमू स्कूल श्री डूंगरगढ़ एवं बीएसएम स्कूल दिल्ली के बीच हुआ। इसमें श्रीडूंगरगढ़ की टीम विजेता रही। इसी आयु वर्ग में दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला नोजगे पब्लिक स्कूल

श्रीगंगानगर एवं आचार्य कुलम हरिद्वार के बीच हुआ। इसमें नोजगे की टीम विजेता रही। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में बड़ी संख्या में स्कूल के विद्यार्थियों व आमजन ने भाग लेकर प्रतियोगिता का आनन्द लिया।



निरंतर सेवारत स्कूल प्रबंधन व स्टाफ

नोजगे स्कूल में हुई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्कूल स्टाफ व प्रबंधन निरंतर सेवा में लगा रहा। प्रतियोगिता से पहले स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ.पीएस सूदन, डायरेक्टर जनरल सुरेन सूदन, प्राचार्य निम्फिया सूदन रेड्डी ने स्कूल के स्टाफ के साथ- साथ खेल अधिकारियों की मीटिंग ली एवं इन प्रतियोगिताओं के दिशा- निर्देश दिए। इस प्रतियोगिता में उप प्राचार्या डॉ.जी.के. बाजवा, ओवरऑल कन्वीनर रचना भटनागर व विनिता मित्तल, मनीषा अग्रवाल, फाइनैस मैनेजर साहबबाम, स्कूल प्रशासनिक अधिकारी गौरव शर्मा, ओएस भागीरथ पेंसिया, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सुरजीत गोदारा सहित कोच हरदीप सिंह बराड़, कोच मनोज शर्मा, कोच अनिल शर्मा, कोच इंद्राज सहित अन्य कोच व स्टाफ ने समय-समय पर सभी व्यवस्थाओं को देखा। खिलाड़ियों व कोच की मान मनुहार कर उन्हें भोजन करवाया गया। ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के कोच एवं सीबीएसई ऑब्जर्वर को नोजगे प्रबंधन ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान टीमों के साथ पहुंचे कोच एवं जिन सरकारी शारीरिक शिक्षकों की इस प्रतियोगिता में द्यूयुटी लगाई गई थी, उन्हें नोजगे प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया। इसके साथ- साथ सीबीएसई ऑब्जर्वर चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में अतिथियों सहित नोजगे के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सूदन, डायरेक्टर जनरल सुरेन सूदन एवं प्राचार्या निम्फिया सूदन रेड्डी ने कोच



को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। बाहर से आए टीम कोच ने स्कूल के आतिथ्य सत्कार की मुक्तकंठ से सराहना की।

सीबीएसई ऑब्जर्वर श्री चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदी ने विशेष बातचीत में कहा कि सीबीएसई की ओर से समय- समय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई जाती हैं, परन्तु जैसी व्यवस्था नोजगे पब्लिक स्कूल में हुई, वैसी व्यवस्था अन्य किसी भी जगह देखने को नहीं मिली। सीबीएसई की

ओर से इस तरह की प्रतियोगिताओं के लिए निर्धारित मापदण्ड हैं और इन मापदण्डों के बारे में नोजगे स्कूल को अवगत भी कराया गया। नोजगे स्कूल प्रबंधन ने ये मापदण्ड तो पूरे किए ही, बल्कि इन मापदण्डों के अतिरिक्त भी व्यवस्था करवाई। खिलाड़ियों को रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड से लाने ले जाने की व्यवस्था के साथ- साथ ठहरने व खानपान की उत्तम व्यवस्था भी की गई। वास्तव में नोजगे का खेल मैदान अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित है।

नेशनल चैंपियनशिप : विभिन्न आयु वर्गों में अंतिम परिणाम

अंडर-14 वर्ष आयु वर्ग

■ प्रथम स्थान :

नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

■ द्वितीय स्थान :

स्वामी केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर (राजस्थान)

■ तृतीय स्थान :

विवेक स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, मैसूरु (कर्नाटक) और डॉल्फिन एलीट सीबीएसई स्कूल, मदुरई (तमिलनाडु)

अंडर-17 वर्ष आयु वर्ग

■ प्रथम स्थान :

मुस्कान पब्लिक स्कूल, अशोक नगर (मध्य प्रदेश)

■ द्वितीय स्थान :

शांति ज्ञान निकेतन, झज्जर (हरियाणा)

■ तृतीय स्थान :

डॉ. आर के एन मोदी ग्लोबल स्कूल, मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) और राजाजी विद्यालय, त्रिची (तमिलनाडु)

अंडर-19 वर्ष आयु वर्ग

■ प्रथम स्थान :

नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

■ द्वितीय स्थान :

सेसोमू स्कूल, श्री डूंगरगढ़ (राजस्थान)

■ तृतीय स्थान :

आचार्यकुलम, हरिद्वार (उत्तराखंड) और बीएसएम स्कूल, दिल्ली

अतिथियों के प्रेरणादायी उद्बोधन

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि सुभाष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हैंडबॉल केवल एक खेल नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों को भ्रातृत्व और सामंजस्य का पाठ भी सिखाता है। उन्होंने बताया कि हैंडबॉल की उत्पत्ति 19 वीं सदी के अंत में डेनमार्क, स्वीडन और जर्मनी में हुई थी। प्रारंभ में फील्ड हैंडबॉल और इनडोर हैंडबॉल दोनों खेले जाते थे। इसके आधुनिक नियमों का पहला लिखित रूप 1906 में डेनिश शिक्षक होल्गर नीलसन ने प्रकाशित किया था। वर्ष 1936 के बर्लिन ओलंपिक में फील्ड हैंडबॉल को शामिल किया गया, जबकि आधुनिक इनडोर हैंडबॉल को पहली बार 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में पुरुष वर्ग के लिए शामिल किया गया। महिलाओं के लिए इसे 1976 के ओलंपिक खेलों में स्थान मिला। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि इस खेल में टीमवर्क, अनुशासन और रणनीति का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। सीबीएसई ऑब्जर्वर श्री चन्द्रप्रकाश चतुर्वेदी ने कोच और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का संचालन सीबीएसई के निर्धारित मापदंडों के अनुसार होना चाहिए। निष्कर्षात्, पारदर्शिता और अनुशासन का पालन सभी टीमों को करना अनिवार्य है। नोजगे स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ. पीएस सूदन ने कहा कि हैंडबॉल जैसे खेल न केवल शारीरिक विकास करते हैं, बल्कि इनमें खिलाड़ियों के बीच भ्रातृत्व, सामंजस्य और सहयोग की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आए खिलाड़ियों और प्रशिक्षित कोच का स्वागत किया। यह प्रतियोगिता केवल खेल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति और भाषाओं को जानने-समझने का अवसर भी प्रदान करेगी। विद्यालय की प्राचार्या निम्फिया सूदन रेड्डी ने खिलाड़ियों से आह्वान किया कि वे पूरे अनुशासन और खेल की भावना से भाग लें। उन्होंने कहा कि जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी ईमानदारी और पूरे मनोयोग से खेलें।



विदेश से आई 10 टीमों

इस



प्रतियोगिता का आकर्षण यह है कि इसमें केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी टीमों भाग लेने के लिए आई हैं। नई दिल्ली, पुणे, गाजियाबाद, कर्नाटक, केरल, ओडिशा, हरिद्वार, रेवाड़ी, दिल्ली छावनी, डूंगरगढ़, वाराणसी, झज्जर, तमिलनाडु आदि स्थानों से टीमों पहुंची हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कतर, ओमान और दोहा से भी दस टीमों आईं। हैंडबॉल प्रतियोगिता के आयोजन से जहां छात्रों की खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर मंच मिला, वहीं उन्हें विभिन्न संस्कृतियों को करीब से जानने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता ने खिलाड़ियों को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां खिलाड़ी न केवल शारीरिक रूप से मजबूत हुए, बल्कि मानसिक दृढ़ता, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और सामूहिक कार्य की भावना को भी सीखा। विदेशों से आई टीमों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी भव्य और विशेष बना दिया। इससे भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव हुआ, जो उनके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।



ठहरने व खानपान की व्यवस्था फाइव स्टार होटल जैसी : ओमान कोच

इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ओमान टीम प्रभारी कोच टेनी, जिथिन एवं गोकुल का कहना था कि उनकी टीम 13 साल से नेशनल चैम्पियनशिप में भाग ले रही है। पिछले वर्ष अंडर 19 में उनकी टीम ने सिल्वर मैडल भी हासिल किया था। अब तक कि जितनी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, उनमें सबसे उच्चतम स्तर की व्यवस्थाएं नोजगे पब्लिक स्कूल में देखी गई हैं। यहां का इंडोर स्टेडियम एवं खिलाड़ियों व कोच के ठहरने व खान- पान की व्यवस्था से खिलाड़ी अत्यधिक रोमांचित हैं। स्कूल प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों व कोच के लिए फाइव स्टार होटल जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रीगंगानगर में इस तरह की शानदार व्यवस्थाएं मिलेंगी, ऐसी उम्मीद ही नहीं थी।

अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा है नोजगे : दोहा कतर कोच

इसी तरह एमईएस दोहा कतर से दो टीमों के साथ आए कोच मोहम्मद नावेस का कहना था कि यहां की व्यवस्थाओं के साथ- साथ स्टाफ का व्यवहार उच्च स्तर का है। सभी खिलाड़ियों व कोच के लिए अच्छी से अच्छी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि वे तीन साल से राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, इतनी अच्छी व्यवस्थाएं इससे पहले कहीं देखने को नहीं मिली। नोजगे पब्लिक स्कूल वास्तव में अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम में भी इस तरह की सुविधाएं नहीं मिलती, जितनी नोजगे पब्लिक स्कूल के इन्डोर स्टेडियम में देखने को मिली। हमने वीडियोकाल से अपने देश के कोच को ये व्यवस्थाएं दिखाई तो वे भी दंग रह गए।

इस तरह के इन्डोर स्टेडियम में पहली बार खेले हमारे खिलाड़ी : तमिलनाडु कोच

तमिलनाडू के कोच मनोज कुमार व हरिप्रसाद का कहना था कि हमारे खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय मानकों वाले इनडोर स्टेडियम में खेल खेल रहे हैं। इससे खिलाड़ियों में अत्यधिक उत्साह है। यह खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव है। अन्य जगह इस तरह की प्रतियोगिता करवाने वाले संस्थानों को नोजगे स्कूल की व्यवस्थाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि खिलाड़ियों व कोच को खेल का आनन्द आए। इसी तरह की व्यवस्थाएं होंगी तो अपना देश हैण्डबॉल में सबसे अव्वल हो सकता है।

चाय- कॉफी के लिए नहीं तलाशने पड़े ढाबे : हरिद्वार कोच

इस प्रतियोगिता के दौरान नोजगे में बहुत अच्छी व्यवस्थाएं रही। अन्य जगह प्रतियोगिता होती है तो खिलाड़ियों व कोच को आसपास चाय-कॉफी के लिए ढाबे तलाशने पड़ते हैं। जबकि नोजगे स्टाफ ने समय- समय पर उनके लिए चाय-कॉफी के साथ-साथ शानदार खानपान की व्यवस्थाएं की। इससे पहले ओडिशा चंदौली में इस तरह की प्रतियोगिता थी, उससे दस गुना अच्छी यहां व्यवस्थाएं हैं। हम अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग की टीम लेकर आए। खिलाड़ी बहुत रोमांचित हैं।

बाहर से आई टीम कोच की जुबानी...

अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला मैदान, लज्जरी हॉस्टल में ठहराव, फाइव स्टार - सा भोजन

बाहर से आने वाली टीमों जैसे- जैसे श्रीगंगानगर पहुंची तो स्टाफ ने पहले रेलवे स्टेशन पर उनका स्वागत किया। बाद में उन्हें बस के माध्यम से स्कूल तक लाए। जैसे ही टीमों स्कूल में पहुंची तो स्टाफ ने उन्हें तिलक लगाकर स्वागत किया तथा स्कूल के लज्जरी हॉस्टल में ठहरने तथा शानदार खानपान की व्यवस्था की। स्कूल में टीमों के पहुंचने के साथ ही टीम के सभी खिलाड़ियों एवं कोच का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। स्कूल के लज्जरी बॉयज हॉस्टल में इन खिलाड़ियों व कोच के ठहरने की व्यवस्था की गई। नाश्ता, भोजन के लिए विशेष व्यवस्था की गई। खिलाड़ियों व कोच को ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर के लिए विशेष कुपन उपलब्ध करवाए गए। इसके साथ-ज साथ चाय व कॉफी निरंतर चलती रही। स्कूल की ओर से मेडिकल रूम भी बनाया गया। जहां अनुभवी चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ की इयूटी लगाई गई। यदि किसी खिलाड़ी को खेल के दौरान प्राथमिक चिकित्सा की जरूरत थी तो उसे तुरंत प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई। इसके साथ- साथ आपातकालीन व्यवस्था के लिए एम्बुलेंस एवं चालक की व्यवस्था 24 घण्टे रही। हॉस्टल के वातानुकूलित हॉल में कोच एवं स्टाफ की मीटिंग हुई, इसमें अगले दिन होने वाले मुकाबले के लिए इन्हें निकाले गए एवं सभी कोच ने अपना- अपना परिचय दिया। बाहर से आए खिलाड़ियों व कोच के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप भोजन व खान- पान की व्यवस्था की गई। बाहर से आई टीमों को कोच का कहना था कि बीते कई वर्षों में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यह पहला स्कूल है, जहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर व्यवस्थाएं एवं खिलाड़ियों के लिए सुविधाएं दी गई हैं।

पहली बार देखने को मिली रेलवे स्टेशन से लाने ले जाने की व्यवस्था : झज्जर कोच

झज्जर कोच नरेन्द्र कुमार एवं कुलजीत का कहना था कि इस तरह की प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी व कोच रेलवे स्टेशन या बस स्टेंड से खेल प्रांगण तक अपने आप व्यवस्था करके पहुंचते हैं। जबकि नोजगे पब्लिक स्कूल में हुई इस प्रतियोगिता के दौरान बाहर से आए खिलाड़ी व कोच के लिए विशेष एसी वाहनों की व्यवस्था की गई। रेलवे स्टेशन पर स्कूल स्टाफ ने स्वागत किया एवं वहां से बसों में लेकर आए। व्यवस्थाओं में इस स्कूल को नंबर देने की बात हो तो दस में से दस नंबर देंगे। यहां के रेफरी अच्छे एवं पक्षपात रहित रहे। खिलाड़ियों व कोच को किसी भी प्रकार की कमी महसूस नहीं होने दी।

हम मेजबान होते तो भी नहीं कर पाते ऐसी व्यवस्था : ओडिशा कोच

ओडिशा के कोच प्रियांशु प्रयास नाइक, शुभेंदु कुमार व सुमित माझी का कहना था कि इस सीबीएसई हैण्डबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था देखकर हम खुश हुए। हमारी टीम ने असम व उत्तरप्रदेश में भी हुई प्रतियोगिताओं में भाग लिया था, परन्तु वहां ऐसी सुविधाएं व व्यवस्थाएं नहीं मिली, जितनी यहां मिली। नोजगे में हर व्यवस्था के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां तय हैं। चतुर्थ श्रेणी से लेकर फर्स्ट ग्रेड टीचर व स्पोर्ट्स स्टाफ की इयूटियां लगी हुई हैं। इस तरह के अनुशासनपूर्ण माहौल में खेलने का मजा ही कुछ और है।



स्कूल नेशनल गेम्स में खेलेंगी विजेता टीमें

नोजगे स्कूल के स्पोर्ट्स डायरेक्टर सुरजीत सिंह, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक मनोज शर्मा, हरदीप बराड़ व इंद्राज ने बताया कि अंडर 14 आयु वर्ग, अंडर 17 वर्ष आयु वर्ग व अंडर 19 वर्ष आयु वर्ग की विजेता टीमें स्कूल नेशनल गेम्स में भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि 14 वर्षीय टीम राजस्थान 17 वर्षीय टीम कर्नाटक व 19 वर्षीय टीम गुजरात में होने वाली स्कूल नेशनल गेम्स में भाग लेंगी। यह पहला मौका है, जब पहली बार किसी एक स्कूल से 32 खिलाड़ियों का चयन स्कूल नेशनल गेम्स के लिए हुआ है। इससे पूर्व राजस्थान में भी किसी एक स्कूल से इतने अधिक खिलाड़ियों का चयन एक साथ नहीं हुआ। प्रशिक्षित कोच ने खिलाड़ियों की प्रतिभा को बारीकी से समझा एवं स्कूल नेशनल गेम्स के लिए उनका चयन किया। इस उपलब्धि से अकेले श्रीगंगानगर का ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुआ है। कोच हरदीप सिंह बराड़ ने बताया कि स्कूल नेशनल गेम्स चित्तोड़गढ़ में आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को अभी से तैयारी शुरू करवा दी गई है।



बेस्ट गोलकीपर, स्कोरर व प्लेयर का सम्मान

स्वामी केशवानंद कॉन्वेंट स्कूल, सीकर के जतिन को अंडर 14, मुस्कान पब्लिक स्कूल, अशोकनगर के हरमान को अंडर 17 व सेसोपू पब्लिक स्कूल, श्रीद्वारगढ़ के हार्दिक सिंह को अंडर-19 में बेस्ट गोलकीपर चुना गया। वहीं नोजगे पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर के तनिक को अंडर 14, मुस्कान पब्लिक स्कूल, अशोकनगर के गुरूप्रीत को अंडर 17 व नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर के राजवीर को अंडर-19 में बेस्ट स्कोरर चुना गया। इधर नोजगे पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर के लक्षित को अंडर 14, शान्ति ज्ञान निकेतन स्कूल, झज्जर के लक्ष्य को अंडर 17 व नोजगे पब्लिक स्कूल, श्रीगंगानगर के विशाल को अंडर-19 में बेस्ट प्लेयर चुना गया।

विभिन्न जूडो प्रतियोगिताओं में नोजगे स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं शहर का नाम रोशन किया

श्रीगंगानगर। नोजगे पब्लिक स्कूल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने विभिन्न जूडो प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय एवं शहर का नाम रोशन किया है। विद्यालय की जूडो कोच वंदना शर्मा ने बताया कि सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप में कक्षा 9वीं (ह) के छात्र नेशांत कुमार ने अंडर-17 वर्ग में उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए रजत पदक हासिल किया तथा सीबीएसई नेशनल जूडो चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए।

इसी प्रतियोगिता में कक्षा 12वीं (U) के छात्र बबनूर सिंह बराड़ ने अंडर-19 वर्ग में स्वर्ण

पदक अपने नाम किया और उनका भी चयन सीबीएसई नेशनल जूडो चैंपियनशिप के लिए हुआ।

इसके अतिरिक्त कक्षा 5वीं (I) की छात्रा रहानी बग्गा ने ओपन फेडरेशन स्टेट जूडो प्रतियोगिता में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक

अर्जित किया।

इसके साथ ही 69वीं जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता (अंडर-17/19 बालक व बालिका वर्ग), जो कामिनपुरा स्थित श्री मान संत ईशर सिंह जी महाराज एकेडमी स्कूल में आयोजित हुई, उसमें भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने

उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अंडर-17, 66 किलो भारवर्ग में कक्षा 9वीं (N) के छात्र नेशांत कुमार ने कांस्य पदक जीता।

अंडर-19, 90 किलो भारवर्ग में कक्षा 12वीं के छात्र हर्षित चौधरी ने रजत पदक अर्जित किया।

अंडर-19, 57 किलो भारवर्ग में कक्षा 12वीं की छात्रा प्रिया ने कांस्य पदक जीता। अंडर-19, 70 किलो से अधिक भारवर्ग में कक्षा 12वीं की छात्रा गुरशवीन कौर ने भागीदारी की।

विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. पीएस सूदन, प्राचार्य निम्फिया सूदन रेड्डी सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने सभी

खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



ग्वालियर : सीबीएसई वेस्ट जोन में भी जमाई थी धाक



श्रीगंगानगर। खेलों के क्षेत्र में लगातार नई ऊचाइयों को छू रहा नोजगे पब्लिक स्कूल एक बार फिर चर्चा का केंद्र बना है। हाल ही में ग्वालियर (मध्यप्रदेश) में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन हैंडबॉल चैंपियनशिप में नोजगे की छात्रा खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 24 से 28 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में नोजगे पब्लिक स्कूल की अंडर-19 गर्ल्स टीम ने रनर अप रहते हुए सिल्वर मेडल जीता, वहीं अंडर-14 गर्ल्स टीम ने भी शानदार खेल दिखाते हुए रनर अप

ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक हरदीप सिंह बराड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन टीएसएस ईंटरनेशनल स्कूल, मोराना (ग्वालियर) में हुआ। इसमें वेस्ट जोन की कई नामचीन टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, गोवा व दादर-नगर हवेली की चयनित टीमों ने अपना दमखम दिखाया।

नोजगे की छात्राओं का प्रदर्शन शुरू से ही प्रभावशाली रहा। लीग मैचों में



अंडर-19 टीम ने झुंझुनू एकेडमी, झुंझुनू को 15-2 से तथा गुजरात पब्लिक स्कूल, गुजरात को 18-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि में टीम कोच इन्द्राज व नीतू कंवर ने लगातार मार्गदर्शन व प्रोत्साहन दिया। खिलाड़ियों की उत्कृष्ट प्रतिभा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस प्रतियोगिता में नोजगे की ही खिलाड़ी ज्योति को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के सम्मान से नवाजा गया। इस शानदार उपलब्धि पर नोजगे स्कूल परिवार में खुशी का माहौल

रहा। स्कूल के एमडी डॉ. पी.एस. सूदन, डायरेक्टर जनरल सूरन सूदन, प्रिंसिपल निम्फिया सूदन रेड्डी, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सुरजीत गोदारा, वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक हरदीप बराड़ सहित समस्त स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नोजगे पब्लिक स्कूल की यह सफलता न केवल श्रीगंगानगर बल्कि पूरे राजस्थान के लिए गौरव का विषय है। छात्राओं ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, अनुशासन और समर्पण से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है।

नोजगे की छात्राओं ने बढ़ाया मान

श्रीगंगानगर। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी लगातार अपनी पहचान बना रहे नोजगे पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित 69वीं जिला स्तरीय उच्च प्राथमिक 14 वर्षीय विद्यालय छात्र-छात्रा शतरंज प्रतियोगिता 2025-26 में विद्यालय की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर पदक व प्रशस्त पत्र हासिल किए। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक मनोज कुमार शर्मा और टीम कोच नंद किशोर ने जानकारी दी कि यह प्रतियोगिता हर्ष कॉन्वेंट स्कूल, सूरतगढ़ में आयोजित की गई। इस आयोजन का संचालन मनन संगीत कला के सौजन्य से हुआ। प्रतियोगिता में जिलेभर के विभिन्न विद्यालयों से आए दर्जनों खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए हिस्सा लिया। नोजगे पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने शुरू से ही आत्मविश्वास दिखाया। प्रतियोगिता में कक्षा पांचवीं यू की छात्रा नंदनी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उनका खेल न केवल रणनीतिक था बल्कि धैर्य और सोच-समझ की मिसाल भी पेश करता रहा। दूसरी ओर,

शतरंज प्रतियोगिता

कक्षा चार एन की छात्रा आलिया ने कठिन मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में पांचवाँ स्थान हासिल किया। इन दोनों छात्राओं का चयन अब आरबीएसई स्टेट टूर्नामेंट, झालावाड़ के लिए हुआ है। यह उपलब्धि विद्यालय और जिले के लिए गर्व की बात है। नंदनी और आलिया की मेहनत, लगन और खेल के प्रति

समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया है कि अग्र छोटी हो सकती है, लेकिन हौसले बड़े होने चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में गजब का उत्साह देखने को मिला। चौदह वर्षीय छात्रा वर्ग में हुई इस प्रतियोगिता में कई रोमांचक मुकाबले हुए। प्रतिभागियों ने हर चाल सोच-समझकर चली और यही शतरंज का असली खूबसूरती भी रही। आयोजकों के अनुसार, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में धैर्य, एकाग्रता और रणनीतिक सोच को विकसित करना था, जिसमें यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा। नोजगे पब्लिक स्कूल की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष की लहर दौड़ गई। स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ. पी.एस. सूदन, डायरेक्टर जनरल सूरन सूदन, प्रिंसिपल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने विजेता छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्र विद्यालय और क्षेत्र दोनों के गौरव बढ़ाते हैं। साथ ही उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे खेलों में भाग लेकर जीवन के हर क्षण में संतुलन बना सकते हैं। यह उपलब्धि न केवल नोजगे स्कूल बल्कि पूरे श्रीगंगानगर जिले के लिए गर्व का क्षण है। इस जीत ने यह साबित कर दिया कि ग्रामीण अथवा छोटे शहरों के विद्यार्थी भी सही मार्गदर्शन और मेहनत से बड़े मंचों पर अपनी पहचान बना सकते हैं। अब उम्मीद है कि नंदनी और आलिया स्टेट टूर्नामेंट में भी अपने उत्कृष्ट खेल से न केवल विद्यालय बल्कि पूरे राजस्थान का नाम रोशन करेंगी।



नहीं

जॉर्डन में हुए एशिया मेन्स में भी नोज़गे की धाक

गोलकीपर बना नोज़गे का कार्तिक

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले और नोज़गे पब्लिक स्कूल के लिए गर्व का क्षण है, जब विद्यालय का छात्र कार्तिक भारत की अंडर-17 हॉकी टीम का हिस्सा बनकर पहली बार एशिया मेन्स अंडर-17 हॉकी चैंपियनशिप में खेला और वह भी गोलकीपर के रूप में। यह प्रतियोगिता 15 से 25 सितंबर तक जॉर्डन में आयोजित हुई थी। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में एशिया ग्रुप की चुनिंदा टीमों ने भाग लिया। भारत की टीम में कार्तिक को गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक हरदीप सिंह बराड़ ने जानकारी

दी कि इस प्रतियोगिता का आयोजन एशियन हॉकी फेडरेशन द्वारा किया गया। इसमें एशिया महाद्वीप की विभिन्न देशों की टीमों शामिल हुई। कार्तिक का चयन भारतीय टीम में होना न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे जिले और उसके अभिभावकों के लिए गर्व की उपलब्धि है।

स्वर्ण पदक से इंडिया टीम तक का सफर

कार्तिक ने यह मुकाम आसानी से हासिल

किया है। उन्होंने पहले सब जूनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्हें ट्रायल के लिए बुलाया गया। जहां कार्तिक ने अपनी गोलकीपिंग की श्रेष्ठता और अनुशासित खेल से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। परिणामस्वरूप, उसे इंडिया टीम के गोलकीपर के रूप में चुना गया। कार्तिक का खेल रिकॉर्ड पहले से ही शानदार रहा है। दिल्ली में आयोजित सीबीएसई नेशनल चैंपियनशिप में कार्तिक

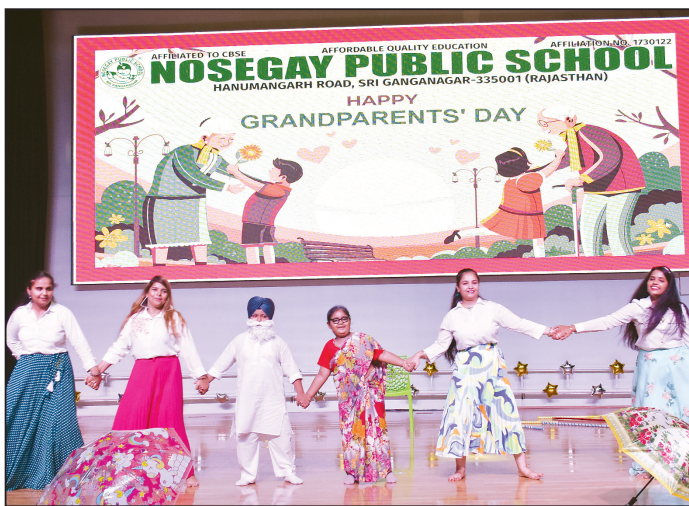
बेस्ट गोलकीपर घोषित किया गया था। हाल ही में श्रीगंगानगर में हुई सीबीएसई हॉकी चैंपियनशिप में नोज़गे पब्लिक स्कूल की टीम ने स्वर्ण पदक व चैंपियनशिप जीती, जिसमें कार्तिक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी लगातार मेहनत और अनुशासन ने उन्हें न सिर्फ स्कूल स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। कार्तिक के इस चयन से पूरे विद्यालय परिवार में उत्साह और गर्व की लहर है। नोज़गे पब्लिक स्कूल के एमडी डॉ.

पी.एस. सुदन, डायरेक्टर जनरल सुदन रेड्डी और स्पोर्ट्स डायरेक्टर सुरजीत सिंह, व वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक अनिल शर्मा, मनोज शर्मा व इंद्राज सहित पूरे स्टाफ ने कार्तिक को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्तिक ने यह सिद्ध कर दिया है कि मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन से कोई भी छात्र बड़े से बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है। कार्तिक की यह उपलब्धि न केवल नोज़गे पब्लिक स्कूल बल्कि पूरे श्रीगंगानगर जिले के लिए गौरव का विषय है। खेल विशेषज्ञों का

मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलने का यह अवसर कार्तिक के करियर को नई दिशा देगा और आने वाले समय में वे देश के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। कार्तिक के चयन से उनके अभिभावकों में भी गजब का उत्साह है। उनका कहना है कि विद्यालय और कोच की मेहनत तथा कार्तिक की लगन ने इस सपने को साकार किया है। यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देगी कि यदि वे अनुशासन और समर्पण के साथ खेलें तो मेहनत करें तो सफलता निश्चित है।

बच्चों के खेल की शुरुआत दादा-दादी व नाना-नानी के साथ

बुजुर्गों का हमारे जीवन में विशेष स्थान : डॉ. सुदन नोज़गे में धूमधाम से मनाया गया 'हैप्पी ग्रैंड पैरेंट्स डे'



बच्चे का पहला दोस्त दादा और दादा का आखिरी दोस्त पोता

श्रीगंगानगर। बच्चों का पहला दोस्त दादा और दादा का आखिरी दोस्त पोता होता है। बच्चों के खेल की शुरुआत भी दादा - दादी व नाना-नानी के साथ होती है। दादा-दादी व नाना-नानी के साथ प्रेम भाव प्रकट करने वाले ये शब्द नोज़गे पब्लिक स्कूल में हुए ग्रैंड पैरेंट्स डे में साकार हो गए।

नोज़गे पब्लिक स्कूल में 13 सितंबर को हैप्पी ग्रैंड पैरेंट्स डे बड़े हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। यह विशेष आयोजन विद्यालय के ऑडिटोरियम में सुबह 9.30 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें प्रिंसिपल और नर्सरी कक्षाओं के नन्हें मुन्नों ने अपनी मासूम

अदाओं और प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। इस दिन का उद्देश्य बच्चों को अपने दादा-दादी व नाना-नानी के प्रति सम्मान और प्रेम से जोड़ना था। कार्यक्रम का शुभारंभ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ। छोटे छोटे बच्चों ने सोलो डांस ग्रुप डांस और मनमोहक नाटिकाओं के जरिए अपने दादा दादी के प्रति प्यार और आदर व्यक्त किया। मंच संचालन अंजलि बधवार ने किया। जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सहज और रोचक ढंग से आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम संयोजक ममता सेठी ने बताया कि बच्चों और बुजुर्गों दोनों के लिए कई रोचक खेल और गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें म्यूजिक चेयर, पास दा बाॅल, टैटू कॉर्नर, केजी ट्रेन जैसी प्रतियोगिताएं शामिल थीं। इन

गतिविधियों में दादा-दादी व नाना- नानी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बच्चों के साथ खेलकर उनके चेहरों पर खुशी बिखेर दी। टैटू कॉर्नर में बुजुर्गों ने भी बच्चों की तरह उत्साहपूर्वक टैटू बनवाए।

इस मौके पर विद्यालय की नर्सरी टीचर्स ने आकर्षक ग्रुप डांस प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं भावना कथक ने अपनी अद्भुत कथक नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों और शिक्षकों की शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों और अभिभावकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम परिवार

और समाज में पारस्परिक प्रेम, आदर और जुड़ाव को और मजबूत बनाते हैं। विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ.पी.एस. सुदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बुजुर्ग हमारे जीवन के अनुभव और संस्कारों का खजाना है। उनका मार्गदर्शन नई पीढ़ी को सही दिशा देता है। दादा- दादी और नाना-नानी हमारे जीवन के रोल मॉडल हैं। ऐसे आयोजन बच्चों को न केवल अपने परिवार के बुजुर्गों से जोड़ते हैं बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं की गहराई भी सिखाते हैं। डायरेक्टर फाउंडेशन और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक गौरवपूर्ण बना दिया। अंत में बच्चों और बुजुर्गों के साथ मिलकर खुशियों से भरे पलों को संजोते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ।

नोज़गे की छात्रा ने कराटे प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

जहांगुन बराड़ को स्कूल प्रबंधन ने दी बधाई

श्रीगंगानगर। खेलों के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयां छूते हुए नोज़गे पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने एक और उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय की होनहार छात्रा जहांगुन कौर बराड़ ने 69 वीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीता। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय परिवार के लिए बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। इस प्रतियोगिता का आयोजन आरती मोटेसरी अकादमी में 13 से 17 सितंबर तक किया गया। प्रतियोगिता में जिलेभर से आए दर्जनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और अलग-अलग भारवर्ग में अपना कौशल दिखाया। प्रतिस्पर्धा का स्तर बेहद ऊँचा रहा, लेकिन जहांगुन कौर ने अपने दमदार खेल और बेहतरीन रणनीति से सभी को प्रभावित किया।

अंडर-17 आयु वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन

जूडो व कराटे कोच वंदना शर्मा ने बताया कि जहांगुन कौर बराड़ ने अंडर-17 आयु वर्ग में -52 किलोग्राम भारवर्ग में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अपने जबरदस्त आत्मविश्वास और सटीक तकनीक से प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती दी। जहांगुन ने पहले मुकाबले में घड़साना की खिलाड़ी को मात दी, वहीं सेमीफाइनल में गंगानगर की खिलाड़ी को हराकर फाइनल में जगह बनाई। कड़े संघर्ष वाले फाइनल मुकाबले में वह मामूली अंतर से हार गई, लेकिन उनके संघर्ष और खेल कौशल ने उन्हें रजत पदक दिलाया। कक्षा 9वीं (जी) की छात्रा जहांगुन ने यह साबित किया है कि अनुशासन, मेहनत और सही प्रशिक्षण से कोई भी छात्र सफलता की ऊँचाइयों तक



पहुँच सकता है। उनकी इस जीत ने न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया है बल्कि अभिभावकों को भी गर्व महसूस कराया है। स्कूल प्रबंधन ने जहांगुन को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आगे चलकर वह राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपना परचम लहराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि खेलों से बच्चों के व्यक्तित्व में आत्मविश्वास, अनुशासन और सहनशीलता का विकास होता है। जहांगुन की यह उपलब्धि आने वाले समय में विद्यालय और क्षेत्र दोनों के लिए प्रेरणादायी साबित होगी। जहांगुन कौर बराड़ ने यह उपलब्धि हासिल कर एक बार फिर यह संदेश दिया है कि खेलों में बेटियाँ किसी से कम नहीं हैं। उनकी मेहनत और संघर्ष ने यह साबित किया है कि यदि अवसर और सही मार्गदर्शन मिले तो बेटियाँ भी अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँच सकती हैं।

राष्ट्रीय हैण्डबॉल प्रतियोगिता की मुख्य झलकियां...

